# माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश, भोपाल

पाठ्यक्रम

पूर्व–प्राथमिक प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र परीक्षा

(एक वर्षीय)

(सन् 2010–2011 से लागू)

## (Certificate in pre-primary training)

विद्योचित इकाई

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश, भोपाल

# पूर्व प्राथमिक प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र नियमित पाठ्यक्रम प्रवेश नियम – 2010

प्रस्तावना – पूर्व प्राथमिक प्रशिक्षण का यह संशोधित एक वर्षीय पाठ्यक्रम है जो कि वर्तमान समय के अनुरूप प्रोन्नत कर पुर्नगठित किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम का प्रमुख आधार ''पूर्व प्राथमिक स्तर के बालकों का सर्वांगीण विकास'' करना है।

1. **प्रभावशीलता** – ये नियम सत्र 2010–2011 से प्रभावशील होंगे।

2. **उद्देश्य –**

2.1 प्रस्तुत पाठ्यक्रम नियोजन से ऐसी छात्र अध्यापिकायें तैयार करना जो भविष्य में शिक्षा की नवीन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो सकेंगी।

2.2 प्रशिक्षार्थी 3 से 6 आयु समूह के बालकों के सर्वांगीण विकास के सभी पक्षों का पर्याप्त ज्ञान प्राप्त कर सकेगी।

2.3 पूर्व प्राथमिक शिक्षा के प्रमुख दार्शनिक सिद्वांतों तथा इसके भारत में क्रमिक विकास से परिचित हो सकेंगी।

2.4 पूर्व प्राथमिक स्तर पर संचालित विभिन्न संस्थाओं तथा उनकी कार्यशैली से परिचित हो सकेगी।

2.5 पूर्व प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दे रही अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संस्थाओं की जानकारी से परिचित हो सकेंगी।

2.6 पूर्व प्राथमिक स्तर के बालकों के स्वास्थ्य संरक्षक एवं संवर्धन, उचित आहार नियोजन, उचित पोषण, बाल सेवा एवं बाल कल्याणकारी योजनाओं से परिचित हो सकेंगी।

2.7 नर्सरी शिक्षा हेतु श्रेष्ठतम अध्यापन प्रणालियों तथा उपर्युक्त शिक्षण विधियों का प्रयोग कर शिक्षण को अधिक प्रभावशाली बना सकेंगी।

2.8 पूर्व प्राथमिक शालाओं के उचित प्रबंधन हेतु अनिवार्य प्रशासकीय, दायित्वों अधिकार क्षेत्रों एवं उचित प्रबंधन एवं संचालन से परिचित हो सकेंगी।

2.9 पूर्व प्राथमिक शाला में अभिभावकों तथा समाज का योगदान प्राप्त करने हेतु आवश्यक नियमों की जानकारी तथा संस्थागत विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के क्रियान्वयन से परिचित हो सकेंगी।

2.10 पूर्व प्राथमिक स्तर पर वर्तमान समय की आवश्यकता के अनुरूप न केवल औपचारिक शिक्षा अपितु शिक्षा के नये आयामों, नवीन शिक्षण विधाओं, नवीन संकल्पनाओं से परिचित हो सकेंगी।

## शासकीय – पूर्व प्राथमिक प्रशिक्षण संस्थान जबलपुर में प्रवेश हेतु

3 **पात्रता –**

3.1 यह प्रशिक्षण केवल महिला अभ्यार्थियों के लिए होगा।

3.2 अभ्यर्थी हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 10 + 2 अथवा माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा मान्यता प्राप्त इसके समकक्ष अन्य कोई परीक्षा उत्तीर्ण हो।

3.3 अभ्यर्थियों की आयु संबंधित सत्र की 01 जुलाई को न्यूनतम 17 वर्ष तथा अधिकतम 35 वर्ष होना चाहिए। अनुसूचित जाति एवं जन जाति के लिए अधिकतम 40 वर्ष।

3.4 इस प्रशिक्षण में अभ्यार्थी स्वाध्यायी रूप में सम्मिलित नहीं हो सकेंगी।

4. **प्रवेश हेतु प्राथमिकता –**

मण्यप्रदेश की मूल निवासी महिला अभ्यर्थियों को प्रवेश में प्राथमिकता दी जावेगी। इस प्रकार मध्यप्रदेश के मूल निवासी सभी आवेदकों के प्रवेश पश्चात् स्थान उपलब्ध होने की स्थिति में अन्य राज्यों के अभ्यार्थियों के प्रवेश हेतु विचार किया जावेगा।

5. **प्रक्रिया –**

5.1 प्रदेश स्तरीय समाचार पत्रों, दैनिक समाचार पत्रों, रोजगार और निर्माण के माध्यम से प्रशिक्षण में प्रवेश हेतु विज्ञापन 30 अप्रैल तक राज्य शिक्षा केंन्द्र, भोपाल द्वारा प्रकाशित कराया जावेगा। आवेदन प्राचार्य शासकीय पूर्व प्राथमिक प्रशिक्षण संस्थान होम साईंस कॉलेज कैम्पस, नेपियर टाउन, जबलपुर के नाम से संलग्न आवेदन प्रारूप (परिशिष्ट–1) में किया जा सकता है। आवेदन करने की अंतिम तिथि संबंधित सत्र की 30 मई होगी। प्राप्त आवेदनों का परीक्षण प्राचार्य द्वारा गठित समिति द्वारा किया जावेगा। हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर प्रावीण्य सूची तैयार की जावेगी। चयनित अभ्यार्थियों की सूची 15 जून तक प्रकाशित की जावेगी। चयनित अभ्यार्थियों को 30 जून

तक प्रवेश लेना अनिवार्य होगा। निर्धारित तिथि तक प्रवेश नहीं होने पर अन्य शेष स्थानों की पूर्ति संबंधित संस्था द्वारा चयनित प्रतीक्षा सूची से की जावेगी।

5.2 प्रशिक्षण का सत्र 1 जुलाई से 30 अप्रैल तक होगा।

5.3 अशासकीय संस्थानों में प्रवेश हेतु अभ्यार्थी को नियत तिथि तक आवेदन पत्र संबंधित संस्थान में प्रस्तुत करना होंगे। प्राप्त समस्त आवेदन पत्रों को नियत मापदण्ड के आधार पर सूचीबद्व किया जायेगा। इन सूचीबद्व आवेदकों में से संस्थान के द्वारा गठित चयन समिति द्वारा प्रवेश हेतु पात्र उम्मीदवारों का चयन किया जायेगा। प्रत्येक संस्था की चयन समिति में संबंधित जिले के शिक्षा अधिकारी द्वारा अपना प्रतिनिधि नामांकित किया जायेगा, जिसकी उपस्थिति में ही चयन का कार्य सम्पादित करना आवश्यक होगा।

5.4 शासन के नियमानुसार विभिन्न संवर्ग के अभ्यार्थियों एवं निःशक्तजन के अभ्यर्थियों को आरक्षण का लाभ दिया जायेगा। आरक्षित श्रेणी के अभ्यार्थी उपलब्ध न होने की स्थिति में अन्य श्रेणी के अभ्यार्थियों से रिक्तियों की पूर्ति की जायेगी।

**6.0 परीक्षा योजना –**

6.1 परीक्षा का आयोजन मई – जून माह में किया जावेगा।

6.2 अभ्यर्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु न्यूनतम 75 प्रतिशत की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

6.3 पूर्व प्राथमिक प्रशिक्षण प्रमाण – पत्र का परीक्षा कार्यक्रम 2 भागों में विभाजित होगा। यथा सैद्वांतिक ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल तदानुसार परीक्षा के 2 भाग होंगे।

1 सैद्वांतिक परीक्षा

2 व्यावहारिक परीक्षा – अ. आंतरिक मूल्यांकन।
ब. बाह्य मूल्यांकन।

प्रशिक्षणार्थियों को दोनों परीक्षाओं में अलग – अलग उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा।

6.4 परीक्षा का माध्यम हिन्दी होगा।

6.5 नियमित प्रशिक्षित अभ्यर्थी जो मण्डल की परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गई हों या अन्य अपरिहार्य कारणों से परीक्षा में सम्मिलित न हो सकी हो, उसे पुनः अनुत्तीर्ण/अनुपस्थित विषयों में

मण्डल के नियमों के अनुसार पूरक परीक्षा में बैठने की पात्रता प्रदान की जावेगी। पूरक परीक्षा में भी अनुत्तीर्ण होने पर उसे पुनः नियमानुसार प्रशिक्षण हेतु प्रवेश प्राप्त करना होगा।

6.6 अंक विभाजन

(अ) सैद्वांतिक परीक्षा – कुल अंक 600

(ब) व्यावहारिक परीक्षा –

1. आंतरिक मूल्यांकन – कुल अंक 400
2. बाह्य मूल्यांकन – कुल अंक 200

---

**कुल योग – 1200**

---

**अ सैद्वातिक परीक्षा**

| क्रमांक | प्रश्न–पत्र | विषय | अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक | समय |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | प्रथम | पूर्व प्राथमिक शिक्षा के सिद्वांत एवं शिक्षण विधियाँ | 100 | 30 | 3 घंटे |
| 2 | द्वितीय | बाल विकास एवं बाल मनोविज्ञान | 100 | 30 | 3 घंटे |
| 3 | तृतीय | बाल स्वास्थ्य, आहार पोषण एवं बाल कल्याण | 100 | 30 | 3 घंटे |
| 4 | चतुर्थ | बाल विद्यालय प्रबंधन एवं बुनियादी कम्प्यूटर शिक्षण | 100 | 30 | 3 घंटे |
| 5 | पंचम | भौतिक एवं सामाजिक पर्यावरण | 100 | 30 | 3 घंटे |
| 6 | षष्ठम | भाषा एवं गणित | 100 | 30 | 3 घंटे |
| | | **कुल योग** | **600** | | |

सभी विषयों में पृथक–पृथक न्यूनतम उत्तीर्णांक प्राप्त करना आवश्यक है किन्तु सम्पूर्ण विषयों में प्राप्त कुल अंकों का प्रतिशत 36 से कम होने पर परीक्षाफल अनुत्तीर्ण माना जायेगा।

**ब व्यावहारिक परीक्षा –**

| क्रमांक | नाम परीक्षा | अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
|---|---|---|---|
| 1 | आंतरिक मूल्यांकन | 400 | 160 |
| 2 | बाह्य मूल्यांकन | 200 | 80 |
| | **कुल योग 600** | | |

**आंतरिक मूल्यांकन के मुख्य बिन्दु**

| मुख्य बिन्दु | | | अंक |
|---|---|---|---|
| 1. | अवलोकन | – | 75 |
| 2. | व्यावहारिक अध्यापन | – | 100 |
| 3. | शैक्षिक उपकरणों का निर्माण | – | 75 |
| 4. | सैद्वांतिक विषयों से संबंधित सत्रगत कार्य | – | 125 |
| 5. | पाठ्य सहगामी क्रियायें | – | 15 |
| 6. | क्षेत्र भ्रमण प्रतिवेदन | – | 10 |
| **योग –** | | | **400** |

**बाह्य मूल्यांकन –**

| | | | |
|---|---|---|---|
| (क) | व्यक्तिगत पाठ प्रत्यक्ष अवलोकन | – | 75 |
| (ख) | सामूहिक पाठ प्रत्यक्ष अवलोकन | – | 75 |
| (ग) | मौखिक (व्यावहारिक अध्यापन) एवं सत्र आधारित प्रश्न | – | 50 |
| **कुल योग –** | | | **200** |

मण्डल द्वारा नियुक्त एक (1) बाह्य परीक्षक द्वारा अध्यापन (प्रायोगिक) परीक्षा ली जावेगी। अध्यापन (प्रायोगिक) परीक्षा में एक बाह्य परीक्षक एवं एक (1) संस्था का प्राचार्य सम्मिलित रहेगा।

**परीक्षाफल –**

परीक्षा उत्तीर्ण होने के लिए आवश्यक प्राप्तांकों का प्रतिशत एवं श्रेणियाँ

**(अ) सैद्वांतिक परीक्षा –**

| | | | |
|---|---|---|---|
| क. | विशेष योग्यता | – | 75 प्रतिशत से अधिक |
| ख | प्रथम श्रेणी | – | 60 प्रतिशत से अधिक |
| ग. | द्वितीय श्रेणी | – | 45 प्रतिशत से अधिक |
| घ. | तृतीय श्रेणी | – | 36 प्रतिशत से अधिक |

**(ब) व्यावहारिक परीक्षा –**

| | | | |
|---|---|---|---|
| क. | प्रथम श्रेणी | – | 70 प्रतिशत से अधिक |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ख. | द्वितीय श्रेणी | – | 55 प्रतिशत से अधिक |
| ग. | तृतीय श्रेणी | – | 40 प्रतिशत से अधिक |

## आंतरिक मूल्यांकन की विस्तृत रूप रेखा

**1. अवलोकन**

| | | |
|---|---|---|
| अ. | 1. व्यक्गित बाल अवलोकन | 25 |
| | 2. सामूहिक बाल अवलोकन | 25 |
| ब. | 1. सामान्य | 05 |
| | 2. विशेष आवश्यकता वाले बालक | 05 |
| | 3. संस्था अवलोकन | – |
| | 4. आँगन बाड़ी अवलोकन | 05 |
| स. | आदर्श पाठ | 10 |
| **कुल योग** | | **75** |

**2. व्यावहारिक अध्यापन –**

| | | |
|---|---|---|
| अ. | प्रदर्शन पाठ | 10 |
| ब. | सामूहिक पाठ | 15 |
| स. | व्यक्तिगत पाठ | 15 |
| द. | सह संचालन | 30 |
| इ. | संचालन | 30 |
| **कुल योग** | | **100** |

**3 शैक्षणिक उपकरणों का निर्माण –**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | भाषा फाईल | 05 |
| 2. | भाषा उपकरण | 05 |
| 3. | कहानी संग्रह | 05 |

| | | |
|---|---|---|
| 4. | संगीत बालगीत का संग्रह | 05 |
| 5. | अंग्रेजी उपकरण | 05 |
| 6. | गणित फाईल | 05 |
| 7. | गणित उपकरण | 05 |
| 8. | व्यावहारिक फाईल | 05 |
| 9. | संज्ञानात्मक फाईल | 05 |
| 10. | संज्ञानात्मक उपकरण | 05 |
| 11. | सृजनात्मक उपकरण | 15 |
| 12. | पर्यावरण फाईल | 05 |
| 13. | पर्यावरण उपकरण | 05 |
| **कुल योग** | | **75** |

| | | |
|---|---|---|
| **4.** | **सैद्वांतिक विषयों से संबंधित सत्रगत कार्य –** | **अंक** |
| अ. | कार्य योजना साप्ताहिक कार्य (बाल विकास से संबंधित) | 30 |
| | 1. केस स्टडी | |
| ब. | बाल स्वास्थ्य संबंधी कार्य | 30 |
| | 1. प्रथमोपचार पेटी | |
| | 2. वृद्वि निगरानी तालिका | |
| | 3. आहार पोषण तालिका | |
| स. | बाल मंदिर संरचना/अभिलेखीकरण | 30 |
| | 1. बैंक तथा पोस्ट आफिस में खाता खोलना | |
| | 2. वार्षिक कार्यक्रमों की योजना | |
| | 3. प्रगति पत्रक का प्रारूप तैयार करना | |
| द. | समुदाय में जन जागरण – | 35 |
| | 1. रैली, 2. नुक्कड़ नाटक, 3. बाल प्रवास/बाल सभा कठपुतली शो/ प्रदर्शनी | |

| | | |
|---|---|---|
| 4. | पौधे व अन्य वस्तुओं का संग्रह | |
| 5 | पाठ्य सहगामी क्रियायें | 15 |
| **6.** | **क्षेत्र भ्रमण प्रतिवेदन** | **10** |
| **कुल योग** | | **150** |

6.7 समय विभाजन की प्रस्तावित रूप रेखा –

1. प्रत्येक पूर्व प्राथमिक प्रशिक्षण संस्था में प्रतिदिन ''प्रार्थना'' एवं ''मध्यावकाश'' को छोड़कर अध्यापन कार्य 5 घंटे अर्थात 8 कालखण्ड अनिवार्य रूप से होना चाहिये और इसके अनुसार एक सत्र में 1680 कालखण्ड होने चाहिये।

सैद्वांतिक विषयों तथा व्यावहारिक कार्य विभाजन निम्नानुसार होना चाहिये

कार्य दिवस (प्रति वर्ष)

| | | |
|---|---|---|
| कार्य दिवस की संख्या (5 घंटे प्रति दिवस) | आवश्यक | वांछनीय |
| | 200 दिवस | 220 दिवस |
| प्रशासकीय कार्य भर्ती व परीक्षा आदि के लिये | 20 दिवस | 10 दिवस |
| पाठ्यक्रम सैद्वांतिक एवं सत्रगत कार्य | 180 दिवस | 210 दिवस |
| कुल विषय | 6 | |
| प्रति विषय कालखंड की संख्या | 180 | |
| कुल कालखंड | 1080 | |

| | |
|---|---|
| प्रति कार्य दिवस में सैद्वांतिक विषयों एवं सत्रगत कार्य हेतु निर्धारित अवधि | 4 घंटे |
| प्रति कार्य दिवस में प्रायोगिक कार्य हेतु निर्धारित अवधि | 1 घंटे |
| सैद्वांतिक विषयों एवं सत्रगत कार्य हेतु निर्धारित कुल अवधि | 840 घंटे |
| प्रायोगिक कार्य हेतु निर्धारित कुल अवधि | 210 घंटे |
| **कुल योग** | **1050 घंटे** |

प्रति कार्य दिवस में सैद्वांतिक विषयों एवं सत्रगत कार्य हेतु निर्धारित कालखंड 6

(प्रति कालखंड – 40 मि.)

वर्ष भर में सैद्वांतिक विषयों एवं सत्रगत कार्य हेतु निर्धारित कुल कालखंड 1260

प्रति कार्य दिवस में प्रायोगिक कार्य हेतु निर्धारित कालखंड 2

(प्रति कालखंड 30 मि.)

वर्ष भर में प्रायोगिक कार्य हेतु कुल कालखंड 420

वर्ष भर में सैद्वांतिक, सत्रगत एवं प्रायोगिक कार्य हेतु कुल कालखंडों की संख्या 1680

6.8 विशेष नोट – वार्षिक परीक्षायें एवं सत्र की प्रवेश प्रक्रिया मई – जून में सम्पन्न होने के कारण प्रशिक्षण विभाग के कर्मचारियों को ग्रीष्म अवकाश प्राप्त नहीं होगा। अतः इस प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षण संवर्ग की (NON-VOCATIONAL) मानते हुए शासन के नियमानुसार कर्मचारियों को अर्जित अवकाश की पात्रता होगी।

परिशिष्ट – 1

# पूर्व–प्राथमिक प्रशिक्षण संस्थान में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र

1. आवेदित का नाम –
2. पिता/पति का नाम –
3. माता का नाम –
4 पिता/पति का व्यवसाय –
5. (अ) जन्म तिथि (अंको में) –

   (ब) 01 जुलाई वर्ष ............... को आयु– वर्ष ............... माह.................. दिन...................

   (प्रमाण स्वरूप जन्म प्रमाण पत्र/ हाई स्कूल सर्टीफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र संलग्न करें )

पासपोर्ट
साइज
की फोटो

6. जाति वर्ग – (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/सामान्य/ विकलांग)–(प्रमाण पत्र संलग्न करें)
7. क्या म.प्र. के स्थायी निवासी है–

   (सक्षम अधिकारी का प्रमाण पत्र संलग्न करें)
8. शैक्षणिक योग्यता–

| **क्रमांक** | **उत्तीर्ण परीक्षा का नाम** | **वर्ष** | **बोर्ड/वि.वि. का नाम** | **विषय** | **प्राप्तांक/ पूर्णांक** | **प्रतिशत** | **श्रेणी** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** |
| 1 | हाई स्कूल | | | | | | |
| 2. | हायर सेकण्डरी | | | | | | |
| 3. | अन्य | | | | | | |

9. पाठ् सहगामी क्रियाओं से संबंधित दक्षता– (प्रमाण पत्र सहित) – खेलकूद, एन.सी.सी. , एन.एन.एस., संगीत, कला गाइड आदि।
10. पत्र व्यवहार का पूरा नाम एवं पता –
11. दूरभाष क्रमांक –

12. मोबाइल नम्बर –

<u>घोषणा</u>

मैं घोषणा करती हूँ कि मेरे द्वारा अंकित किया गया विवरण पूर्णतः सत्य है।

संलग्न प्रमाण पत्रों की सूची–

अभ्यर्थी का पूरा हस्ताक्षर

नाम–

स्थान–

दिनांक–

**7. सामान्य –**

7.1 समस्त अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण हेतु राज्य शासन/संस्थान द्वारा निर्धारित शुल्क का भुगतान करना होगा।

7.2 चयनित होने की स्थिति में अभ्यर्थी को संस्थान द्वारा नियत तिथि तक प्रवेश लेना होगा, अन्यथा उसका प्रवेश बिना कोई सूचना दिये निरस्त कर दिया जायेगा।

7.3 प्रवेश संबंधी किसी भी विवाद पर राज्य शिक्षा केंद्र म.प्र. भोपाल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

7.4 अशासकीय प्रशिक्षण संस्था को एन.सी.टी.ई. मान्यता प्राप्त की प्रति, माध्यमिक शिक्षा मण्डल की संबद्वता, पूर्ण पता, दूरभाष क्रमांक एवं समिति द्वारा चयनित छात्राओं की सत्यापित सूची आदि समस्त जानकारी राज्य शिक्षा केन्द्र को उपलब्ध कराना होगा।

7.5 समस्त अशासकीय संस्थाओं को इन नियमों व समय–समय पर जारी विभागीय निर्देशों अथवा परिपत्रों का परिपालन करना अनिवार्य होगा।

## प्रथम प्रश्न पत्र

## ''पूर्व प्राथमिक शिक्षा के सिद्वांत एवं शिक्षण विधियाँ''

पूर्व प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण के अंतर्गत ''पूर्व प्राथमिक शिक्षा के सिद्वांत एवं शिक्षण विधियाँ'' का अध्ययन करने के पश्चात प्रशिक्षणार्थियों में अधोलिखित क्षमताएँ व दक्षताएँ विकसित हो सकेंगी।

1. पूर्व प्राथमिक शिक्षा के स्वरूप को समझ सकेंगे।
2. भारतीय शिक्षा मनीषियों की पूर्व प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धियों से अवगत हो सकेंगे।
3. पाश्चात्य शिक्षा शास्त्रियों के पूर्व प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे।
4. शिशुओं के व्यावहारिक जीवन की क्रियाओं का अध्ययन कर सृजनात्मक दृष्टिकोण का विकास हो सकेगा।
5. शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए विधि एवं साधनों का उपयोग करना सीख सकेंगे।
6. शिशुओं में नैतिकता के निर्माण को आधारभूत ढ़ांचा देने के लिए विभिन्न क्रियाकलापों को आयोजित कर सकेंगे।
7. पूर्व प्राथमिक शिक्षा के लिए उपयुक्त शिक्षण विधियों से परिचित होकर अपने अध्यापन को अधिक रोचक एवं बोधगम्य बना सकेंगे।
8. शिशुओं के लिए बाल केन्द्रित शिक्षण की आधारभूत अवधारणा को समझकर कक्षा शिक्षण को आनन्ददायी बना सकेंगे।
9. पूर्व प्राथमिक शिक्षकों का दृष्टिकोण शोधपरक हो सकेगा।
10. शासन द्वारा पूर्व प्राथमिक शिक्ष्झा के गुणात्मक विकास हेतु आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों व योजनाओं से परिचित हो सकेंगे।

# पूर्व प्राथमिक शिक्षा के सिद्वांत एवं विधियाँ

## प्रथम प्रश्न पत्र

## इकाईवार अंक विभाजन एवं कालखण्ड

| इकाई क्रमांक | इकाई का नाम | अंक | कालखण्ड |
|---|---|---|---|
| 1 | पूर्व प्राथमिक शिक्षा का स्वरूप | 10 | 15 |
| 2 | पूर्व प्राथमिक शिक्षा का सिद्वांत एवं महत्व | 10 | 20 |
| 3 | भारतीय शिक्षा मनीषियों का पूर्व प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में योगदान, परिचय और शिक्षण पद्वतियाँ | 15 | 25 |
| 4 | पाश्चात्य शिक्षा शास्त्रियों का पूर्व प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में योगदान, परिचय और शिक्षण पद्वतियाँ | 15 | 25 |
| 5 | शिशुओं के व्यावहारिक जीवन से संबंधित क्रियाएँ | 10 | 20 |
| 6 | पूर्व प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कौशल | 10 | 20 |
| 7 | नैतिक मूल्यों के निर्माण के लिए क्रियाकलाप | 10 | 15 |
| 8 | पूर्व प्राथमिक शिक्षा के लिए शिक्षण पद्वतियाँ | 10 | 20 |
| 9 | पूर्व प्राथमिक शिक्षा में प्रयोग | 5 | 10 |
| 10 | पूर्व प्राथमिक शिक्षा के विकास हेतु संचालित योजनाएं | 5 | 10 |
| | **कुल योग** | **100** | **180** |

## प्रथम प्रश्न पत्र

## पूर्व प्राथमिक शिक्षा के सिद्वांत एवं विधियाँ

**इकाई 1** **पूर्व प्राथमिक शिक्षा का स्वरूप**

1. पूर्व प्राथमिक शिक्षा की भारतीय पद्वति
2. पूर्व प्राथमिक शिक्षा की योजना (म.प्र. के संदर्भ में)
3. पूर्व प्राथमिक शिक्षा के लिए विद्यालय
4. समग्र विकास के लिए पूर्व प्राथमिक शिक्षा
5. पूर्व प्राथमिक शिक्षाः एक व्यापक आंदोलन
6. पूर्व प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में प्रचलित भ्रांतियाँ एवं उनका निराकरण

**इकाई 2.** **पूर्व प्राथमिक शिक्षा का सिद्वांत, महत्व**

1. पूर्व प्राथमिक शिक्षा के लिए परिवार की शिक्षा
2. पूर्व प्राथमिक शिक्षा के लिए समाज में धारणाएं, अभिभावकों का सहयोग
3. शिक्षा क्षेत्र की जागृति

**इकाई 3.** **भारतीय शिक्षा मनीषियों का पूर्व प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में योगदान, परिचय और शिक्षण पद्वतियाँ**

1. महात्मा गांधी – पूर्व बुनियादी शिक्षा
2. गिजु भाई बधेका – बाल केन्द्रित शिक्षा
3. ताराबाई मोडक – आंगन वाड़ी प्रथा

**इकाई 4.** **पाश्चात्य शिक्षा शास्त्रियों का पूर्व प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में योगदान, परिचय और शिक्षण पद्वतियाँ**

1. रूसो – संक्षिप्त प्रकृतिवाद
2. फ्राबेल – बालोद्यान पद्वति, सिद्वांत, विधि एवं उपहार, मातृ खेल, शिशुगीत एवं मुक्त व्यापार

3. माण्टेसरी – पद्वति का विकास, सिद्वांत एवं स्वरूप, साधन, सामग्री विधि एवं उनका योगदान

4. मारग्रेट मैकलिन – नर्सरी पद्वति

**इकाई 5** **शिशुओं के व्यावहारिक जीवन से संबंधित क्रियाएँ**

1. व्यावहारिक जीवन की क्रियाओं का स्वरूप, महत्व, प्रकार एवं आवश्यक साधन सामग्री।
2. दैनन्दिन जीवन : व्यवहार और जीवन कौशलों का विकास।

**इकाई 6** **पूर्व प्राथमिक शिक्षा क्षेत्र में कार्य कौशल**

1. मिट्‌टी कार्य
2. चित्र कार्य
3. कागज कार्य
4. सृजनात्मक एवं क्रियात्मक कलाओं का स्वरूप, उनके विकास के तरीके जैसे–चित्रकला, हस्तकला, नृत्य, संगीत, पेंटिंग

**इकाई 7** **नैतिक मूल्यों के निर्माण के लिए क्रियाकलाप**

1. संत, महापुरूषों की जीवनियों के दृष्टांतों को रोचक बनाकर सुनाना।
2. राष्ट्र प्रेम पर आधारित गीतों का सामूहिक गान
3. मूल्य आधारित दृश्य–श्रव्य सामग्री का प्रदर्शन

**इकाई 8** **पूर्व प्राथमिक शिक्षा की शिक्षण पद्वतियाँ**

पूर्व प्राथमिक शिक्षा पद्वतिः बाल केंद्रित शिक्षा

1. संवाद विधि
2. प्रगतिशील प्रणाली
3. रोल प्ले
4. योजना पद्वति

**इकाई 9 <u>पूर्व प्राथमिक शिक्षा में प्रयोग</u>**

1. पूर्व प्राथमिक शिक्षा में प्रयोगों का स्वरूप
2. पूर्व प्राथमिक शिक्षा में निरीक्षण से निष्कर्ष
3. पूर्व प्राथमिक शिक्षा के संदर्भ में शोधपरक दृष्टिकोण का विकास

**इकाई 10 <u>पूर्व प्राथमिक शिक्षा के विकास हेतु संचालित योजनाएँ</u>**

1. एकीकृत बाल विकास सेवा योजना (पूर्व प्राथमिक शिक्षा के संदर्भ में)
2. महिला एवं बाल विकास द्वारा संचालित पूर्व प्राथमिक शिक्षा एवं शिशु कल्याण की योजनाएँ

**संदर्भ सामग्री –**


1. शिक्षा के सिद्वांत – आर.एन. स्वरूप
2. पूर्व प्राथमिक शिक्षा का इतिहास एवं दर्शन – जे.सी. अग्रवाल
3. शिक्षण कला, शिक्षण तकनीकी एवं नवीन शिक्षण पद्वतियां – डॉ. एस.एस. माथुर
4. शिशु वाटिका : तत्व एवं व्यवहार – इन्दुमति काटदरे, विद्या भारती
5. बच्चे असफल क्यों होते हैं – जॉन होल्ट
6. गिजूभाई बधेका का साहित्य संग्रह – शिशु शिक्षा
7. अध्यापक और शिक्षा – कृष्ण कुमार
8. शिशु शिक्षा के संदर्भ में यूनीसेफ के प्रकाशन
9. एन.सी.ई.आर.टी. (ई.सी.सी.ई.) के प्रकाशन
10. महिला बाल विकास विभाग की वेबसाइट www.mp.gov.in

# बाल विकास एवम् बाल–मनोविज्ञान

## द्वितीय प्रश्न पत्र

**पूर्णांक–100** **समय–3 घण्टे**

पूर्व प्राथमिक शिक्षण के अंतर्गत ''बाल विकास एवम् बाल मनोविज्ञान'' का अध्ययन करने के पश्चात् प्रशिक्षाणार्थियों में अधोलिखित क्षमताएँ व दक्षताएँ विकसित हो सकेंगी।

1. बाल विकास तथा उसकी विभिन्न अवस्थाओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. बाल विकास की विभिन्न अवस्थाओं को समझकर बालकों की आवश्यकताओं को समझ सकेंगे।
3. बाल–मनोविज्ञान तथा विकासात्मक मनोविज्ञान में अंतर जान सकेंगे।
4. व्यक्तिगत विभिन्नताओं को समझकर बालकों में उचित शिक्षा को संप्रेषित कर सकेंगे।
5. प्रत्यय निर्माण के लिए प्रत्यक्षीकरण पर आधारित गतिविधियों की आवश्यकता को स्थापित कर सकेगें।
6. बालक के मानसिक प्रक्रियाओं जैसे बुद्वि, स्मृति चिंतन एवम् तर्क के स्वरूप को जान सकेंगे।
7. अधिगम की अवधारणा को समझकर बाल अधिगम को प्रभावित करने वाले कारकों को जान सकेंगे।
8. मनोविज्ञान के अध्ययन से असाधारण बालकों को समझने में सक्षम हो सकेंगे।
9. बाल–स्वभाव व बालकों के व्यवहार को जान सकेंगे।
10. खेल का महत्व समझकर बालकों में खेल के प्रति रूचि जागृत कर सकेंगे।

# द्वितीय प्रश्न–पत्र

# बाल विकास एवं बाल मनोविज्ञान

# इकाईवार अंक विभाजन एवं कालखण्ड

| क्रमांक | इकाई का नाम | अंक | कालखण्ड |
|---|---|---|---|
| इकाई 1 | बाल विकास, मनोविज्ञान एवं व्यवहार | 10 | 20 |
| इकाई 2 | अभिवृद्धि एवं विकास | 15 | 25 |
| इकाई 3 | बाल विकास के प्रमुख पक्ष | 20 | 35 |
| इकाई 4 | संज्ञानात्मक विकास | 10 | 15 |
| इकाई 5 | संवेदना, प्रत्यक्षीकरण एवं प्रत्यय निर्माण | 05 | 10 |
| इकाई 6 | बौद्धिक विकास | 05 | 10 |
| इकाई 7 | सीखना (अधिगम) | 12 | 20 |
| इकाई 8 | असाधारण बालक | 10 | 20 |
| इकाई 9 | बाल व्यवहार संबंधी समस्यायें | 05 | 10 |
| इकाई 10 | खेल | 08 | 15 |
| | **कुल** | **100** | **180** |

## द्वितीय प्रश्न–पत्र

## बाल विकास एवं बाल मनोविज्ञान

| क्रमांक | इकाई का नाम |
|---|---|
| इकाई 1 | बाल विकास, मनोविज्ञान एवं व्यवहार<br>अ. बाल विकास एवं बाल मनोविज्ञान का अर्थ, परिभाषा, महत्व<br>ब. विकासात्मक मनोविज्ञान का अर्थ, परिभाषा एवं महत्व<br>स. विकासात्मक मनोविज्ञान व बाल मनोविज्ञान में अंतर<br>द. बाल व्यवहार अध्ययन विधियाँ–निरीक्षण, केस स्टडी, विकास अभिलेख |
| इकाई 2 | अभिवृद्धि एवं विकास<br>अ. अभिवृद्धि एवं विकास अर्थ एवं परिभाषा, अंतर<br>ब. बाल विकास की अवस्थायें:–<br>1. गर्भावस्था (गर्भधारण से जन्म तक)<br>2. पूर्व शैशवावस्था (जन्म से 2 सप्ताह)<br>3. शैशवावस्था (2 सप्ताह से 2 वर्ष तक)<br>4. आरंभिक बाल्यावस्था (2 वर्ष से 6 वर्ष)<br>5. बाल्यावस्था (6 वर्ष से 10 वर्ष)<br>(नोटः–प्रत्येक अवस्था में विकास की गति विशेषतायें एवं बालक की आवश्यकतायें)<br>स. बाल विकास के महत्वपूर्ण कारक–वंशानुक्रम एवम् पर्यावरण संबंधी कारक, अभिभावक, परिवार व समुदाय संबंधी कारक |
| इकाई 3 | बाल विकास के प्रमुख पक्ष<br>अ. शारीरिक विकास–शारीरिक विकास को प्रभावित करने वाले कारक<br>ब. गामक विकास अर्थ, परिभाषा एवं महत्व<br>1. प्रमुख गामक कौशलों के विकास में परिपक्वन का कार्य<br>2. प्रमुख गामक कौशलों का विकास क्रम<br>3. सूक्ष्म एवं स्थूल पेशीय विकास<br>4. गामक विकास को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक<br>स. संवेगात्मक विकास–संवेग का अर्थ, परिभाषा, विशेषतायें बाल्यावस्था के महत्वपूर्ण संवेग–भय, क्रोध, ईर्ष्या, प्रेम जिज्ञासा<br>द. सामाजिक विकास–अर्थ, परिभाषा और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारक |
| इकाई 4 | संज्ञानात्मक विकास<br>संज्ञानात्मक विकास–अर्थ, परिभाषा एवं महत्व (जन्म से 6 वर्ष की आयु समूह के संदर्भ में)<br>1. संवेदी पेशीय अवस्था–जन्म से 2 वर्ष तक<br>2. पूर्व संक्रियात्मक अवस्था–2 वर्ष से 6 वर्ष<br>3. स्थूल संक्रिया अवस्था–7 वर्ष से 11 वर्ष<br>4. औपचारिक संक्रिया अवस्था–11 वर्ष के ऊपर |
| इकाई 5 | संवेदना, प्रत्यक्षीकरण एवं प्रत्यय निर्माण |

| | |
|---|---|
| | संवेदना, प्रत्यक्षीकरण एवं प्रत्यय निर्माण का अर्थ परिभाषा एवं प्रकार |
| इकाई 6 | बौद्विक विकास<br>बौद्विक विकासः– बुद्वि का अर्थ, परिभाषा, मानसिक आयु, बुद्वि लब्धि |
| इकाई 7 | सीखना (अधिगम)<br>अ. सीखना या अधिगम अर्थ, परिभाषा, प्रभावित करने वाले कारक<br>ब. सीखने के सिद्वांत<br>स. सीखने के नियम<br>1. थार्नडाइक का सीखने का सिद्वांत<br>2. संबद्व प्रक्रिया सिद्वांत–पावलोव<br>3. सूझ का सिद्वांत–गेस्टाल्ट सिद्वांत (कोहलर का प्रयोग) |
| इकाई 8 | असाधारण बालक<br>अ. असाधारण बालकों का मनोविज्ञान–अर्थ, परिभाषा एवं बालक<br>ब. प्रतिभाशाली, समस्यात्मक, मंदबुद्वि, मानसिक बाधित बालक–विशेषताऐं एवं शिक्षा व्यवस्था<br>स. बाल निर्देशन 0 से 6 वर्ष–अर्थ, आवश्यकता एवं विधियां |
| इकाई 9 | बाल व्यवहार संबंधी समस्यायें<br>बालकों की स्वभाविक विशेषताऐं, व्यवहार संबंधी समस्यायें–कारण, लक्षण एवं निराकरण, अंगूठा चूसना, दांत से नाखून काटना, आक्रमकता, बिस्तर गीला करना, जिद्दी बालक, अति चंचल बालक, संकोची बालक |
| इकाई 10 | खेल<br>अ. परिभाषा, सिद्वांत एवं महत्व<br>ब. कार्य तथा खेल में अंतर<br>स. खेलों के प्रकार–आंतरिक खेल, बाह्य खेल, व्यक्तिगत खेल, सामूहिक खेल, रचनात्मक खेल, कल्पनात्मक खेल, निर्देशित खेल, सृजनात्मक खेल, बौद्विक खेल |

**संदर्भ सामग्री–**


1. शिक्षा मनोविज्ञान – पी.डी. पाठक
2. शिक्षा मनोविज्ञान – एस.एम. माथुर
3. शिक्षा मनोविज्ञान – एस.एस. चौहान
4. बाल मनोविज्ञान – डॉ. प्रीति वर्मा
5. बाल एवं शिक्षा मनोविज्ञान – राधा प्रकाशन
6. बाल विकास एवं पारिवारिक संबंध – डॉ. आशा पारीक
7. बाल मनोविज्ञान – उदयवीर सक्सेना
8. बाल विकास – राम बाबू गुप्त
9. बाल विकास एवं बाल मनोविज्ञान – सुरेश भटनागर
10. बाल विकास – सुमन बाजपेई

# बाल स्वास्थ्य, आहार पोषण एवं बाल कल्याण

## तृतीय प्रश्न पत्र

**पूर्णांक–100** **समय–3 घंटे**

पूर्व प्राथमिक शिक्षण प्रशिक्षण के अंतर्गत ''बाल स्वास्थ्य, आहार पोषण एवं बाल कल्याण'' का अध्ययन करने के पश्चात् प्रशिक्षणार्थियों में अद्योलिखित क्षमताएँ व दक्षताएँ विकसित हो सकेंगी।

1. बालकों के विकास के लिए उनके स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारकों को समझ सकेंगे।
2. बालकों को होने वाली सामान्य और छूत की बीमारियों से अवगत होकर उनके रोकथाम के उपायों को बता सकेंगे।
3. सामान्य आकस्मिक दुर्घटनाओं में प्रथमोपचार उपलब्ध करा सकेंगे।
4. बालकों के लिए संतुलित आहार की आवश्यकता को समझकर कुपोषण के लक्षणों को पहचान सकेंगे।
5. सामान्य रोगों में उचित आहार को प्रस्तावित कर सकेंगे।
6. बाल कल्याण और परिवार कल्याण के पारस्परिक संबंधों को समझ सकेंगे।
7. उपेक्षित, अनाथ, परित्यक्त और विशेष आवश्यकता वाले बालकों की पहचान कर उनकी शिक्षण व्यवस्था कर सकेंगे।
8. बाल कल्याणकारी योजनाओं में संलग्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रमुख संगठनों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
9. घरेलू उपचार से संबंधित विभिन्न पक्षों को समझ कर अनुप्रयोग कर सकेंगे।
10. एकाग्रता विकास के लिए पूर्व प्राथमिक शिक्षा में योग तथा मूल्य विकास की नींव रखने के लिए कुछ सेवा कार्यों को समझकर क्रियाकलाप करा सकेंगे।

# तृतीय प्रश्न पत्र

## बाल स्वास्थ्य, आहार पोषण एवं बाल कल्याण

## इकाईवार अंक विभाजन एवं कालखण्ड

**पूर्णांक–100** **समय–3 घंटे**

| इकाई क्रमांक | इकाई का नाम | अंक | कालखण्ड |
|---|---|---|---|
| 1 | बालकों के विकास के लिए स्वास्थ्य शिक्षा | 10 | 20 |
| 2 | व्यक्तिगत आरोग्य | 10 | 25 |
| 3 | प्राथमिक चिकित्सा | 10 | 20 |
| 4 | संतुलित आहार | 10 | 15 |
| 5 | आहार आयोजन | 10 | 20 |
| 6 | बाल कल्याण एवं परिवार कल्याण | 10 | 10 |
| 7 | विशेष आवश्यकता वाले बालकों के लिए शिक्षा | 10 | 20 |
| 8 | संगठनों की जानकारी | 10 | 15 |
| 9 | घरेलू उपचार | 10 | 15 |
| 10 | पूर्व प्राथमिक शिक्षा में योग | 10 | 20 |
| | **कुल** | **100** | **180** |

# तृतीय प्रश्न पत्र

# बाल स्वास्थ्य, आहार पोषण एवं बाल कल्याण

**इकाई 1** **बालकों के विकास के लिए स्वास्थ्य शिक्षा**

स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक, पोषण तथा स्वास्थ्य का संबंध।

**इकाई 2** **व्यक्तिगत आरोग्य**

अ. बालकों को होने वाली सामान्य बीमारियाँ – सर्दी, खांसी, त्वचा संबंधी बीमारियाँ, फोड़े, फुंसी, खुजली, कब्ज, उल्टी–दस्त, पेट दर्द आँख दर्द।

ब. छूत की बीमारियाँ – खसरा, घटसर्प, कुकर खाँसी, स्वाइन फ्लू

स. अन्य बीमारियाँ – हैजा, मोतीझरा, पीलिया।

द. टीकाकरण – आवश्यकता, महत्व एवं टीकाकरण तालिका का निर्माण।

**इकाई 3** **प्राथमिक चिकित्सा**

अ. सामान्य आकस्मिक दुर्घटनायें, चोट, मोच, नाक में बाह्य वस्तु का प्रवेश, कान में किसी अपद्रव्य का प्रवेश, जलना, मूर्छा, अस्थिभंग होना, करंट लगना, डूबना, कीड़े–मकोड़े काटना में प्रथमोपचार।

ब. प्राथमिक चिकित्सा पेटी–सामग्री की सूची, उपयोग व प्राप्ति के साधन।

**इकाई 4** **संतुलित आहार**

अ. आवश्यकता एवं इसकी कमी से होने वाले रोग।

ब. कुपोषण–अर्थ, लक्षण, कारण इससे होने वाली बीमारियाँ–(कवाशियोकर, मैरासमस, एनिमिया, रिकेट्स व आयोडीन की कमी से होने वाली बीमारियाँ।

**इकाई 5** **आहार आयोजन**

अ. अर्थ, कारक, लाभ दैनिक एवं साप्ताहिक आहार आयोजन, आहार तालिका का निर्माण – (3 से 5 आयु समूह तक के बालक हेतु)

ब.	सामान्य रोगों में आहार – ज्वर, टाइफाइड, क्षय रोग, अतिसार कब्ज, रक्तहीनता, छोटीमाता व बड़ी माता, गलसुआ, पेट के कीड़े निमोनिया।

**इकाई 6	बालक कल्याण एवं परिवार कल्याण सेवाएँ**

**इकाई 7	<u>विशेष आवश्यकता वाले बालकों की शिक्षा व्यवस्था</u>**

अ.	दृष्टि बाधित, श्रवण बाधित, मूक बाधिर तथा शारीरिक व मानसिक विकलांगता से ग्रस्त बालकों की पहचान दोषों के लक्षण एवं निदान।

ब.	उपेक्षित, अनाथ एवं परित्यक्त बालकों के लिये कल्याणकारी योजनायें।

**इकाई 8	<u>संगठनों की जानकारी</u>**

अ.	वी.एच.ए. (वालेंटरी हेल्थ एसोसियेशन)

ब.	डब्ल्यू.एच.ओ. (वर्ल्ड हेल्थ एसोसियेशन)

स.	बाल कल्याण परिषद

**इकाई 9	<u>घरेलू उपचार</u>**

अ.	आहार विहार की शुद्वता

ब.	ऋतु परिवर्तन के समय सावधानियाँ

स.	भय की प्रवृत्ति की रोकथाम

द.	तनावपूर्ण वातावरण से बचाना

**इकाई 10	<u>पूर्व प्राथमिक शिक्षा में योग</u>**

अ.	क्रियाकलाप (एकाग्रता विकास के लिए) स्थिर बैठना, चुप बैठना, बिना आवाज किए चलना, आँखें बंद करके बैठना, आँखें बंद करके किसी चित्र का वर्णन सुनना।

ब.	सेवा कार्य

पक्षियों को दाना डालना, गाय को घास खिलाना, चींटी को आटा डालना, वृक्ष को पानी देना, पौधे लगाना, अतिथि को पानी देना, आस–पास स्वच्छता रखना।

**संदर्भ सामग्रीः–**

1. स्वास्थ्य शिक्षा–जी.पी. शेरी।
2. आहार एवं पोषण के सिद्वांत–उषा टंडन
3. आहार एवं पोषण विज्ञान–डॉ ललिता शर्मा एवं गीता माथुर।

# चतुर्थ प्रश्न पत्र

## बाल विद्यालय प्रबंधन एवं बुनियादी कम्प्यूटर शिक्षण

**पूर्णांक–100** **समय–3 घंटे**

पूर्व प्राथमिक शिक्षण प्रशिक्षण के अंतर्गत'' बाल विद्यालय प्रबंधन एवं बुनियादी कम्प्यूटर शिक्षण'' का अध्ययन करने के पश्चात् प्रशिक्षणार्थियों में अद्योलिखित क्षमताएँ व दक्षताएँ विकसित हो सकेंगी।

1. पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र में भौतिक व्यवस्थाओं के संचालन और प्रबंधन के सिद्वांतों को समझकर इनको क्रियान्वित करने में सक्षम हो सकेंगे।
2. पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र में शैक्षिक व्यवस्थाओं के संचालन और प्रबंधन के सिद्वांतों को समझकर इनको व्यावहारिक रूप से क्रियान्वित कर सकेंगे।
3. केन्द्र की गतिविधियों के लिए आवश्यक क्रियात्मक साधनों की व्यवस्था एवं प्रबंधन करने की क्षमता विकसित कर सकेंगे।
4. केन्द्र के लिए आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्थाओं के प्रबंधन के सिद्वांतों को समझकर इनको व्यावहारिक रूप से क्रियान्वित कर सकेंगे।
5. मानवीय संसाधनों की विशेषताओं, कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों को समझकर कुशल एवं योग्य शिक्षक बन सकेंगे।
6. शैक्षिक नियोजन के सिद्वांतों को समझकर पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र की वार्षिक, साप्ताहिक और दैनिक योजनाओं की नियोजना कर सकेंगे।
7. बुनियादी कम्प्यूटर शिक्षण सिद्वांतों और इसके व्यावहारिक स्वरूप को समझकर केन्द्र के शिक्षण को अधिक रोचक और सृजनात्मक बना सकेंगे।
8. अभिभावकों और समुदाय में पूर्व प्राथमिक शिक्ष्ज्ञा के प्रति उत्सुकता एवं जागृति उत्पन्न कर सकेंगे।
9. मध्यप्रदेश में पूर्व प्राथमिक शिक्षा से संबंधित प्रशासनिक और अकादमिक ढाँचे से अवगत हो सकेंगे।
10. पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्रों की मान्यता प्राप्ति तथा अनुदान प्राप्ति के नियमों से परिचित होकर केन्द्र को समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप बना सकेंगे।

# चतुर्थ प्रश्न पत्र

## बाल विद्यालय प्रबंधन एवं बुनियादी कम्प्यूटर शिक्षण

## इकाईवार अंक विभाजन एवं कालखण्ड

**पूर्णांक–100** **समय–3 घंटे**

| इकाई क्रमांक | इकाई का नाम | अंक | कालखण्ड |
|---|---|---|---|
| 1 | पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र में भौतिक व्यवस्थाएं और इनका प्रबंधन | 10 | 20 |
| 2 | पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र में शैक्षिक व्यवस्थाएं और उनका प्रबंधन | 15 | 30 |
| 3 | क्रियात्मक साधनों की व्यवस्थाएं और उनका प्रबंधन | 10 | 20 |
| 4 | पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र की प्रशासनिक व्यवस्थाएं और उनका प्रबंधन | 05 | 15 |
| 5 | पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र में मानवीय संसाधनों की व्यवस्था एवं संगठन | 10 | 20 |
| 6 | शैक्षिक नियोजन | 10 | 15 |
| 7 | बुनियादी कम्प्यूटर शिक्षा | 15 | 20 |
| 8 | अभिभावक एवं समुदाय को शिक्षित करना | 10 | 15 |
| 9 | प्रशासनिक एवं अकादमिक ढाँचा | 10 | 15 |
| 10 | मान्यता एवं अनुदान प्राप्ति | 05 | 10 |
| | **कुल** | **100** | **180** |

# चतुर्थ प्रश्न पत्र

## बाल विद्यालय प्रबंधन एवं बुनियादी कम्प्यूटर शिक्षण

**इकाई 1 पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र में भौतिक व्यवस्थाएं और उनका प्रबंधन**

1. भवन व्यवस्था
2. स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाएं
3. पीने के पानी तथा अन्य कार्यों के लिए पानी की व्यवस्था
4. शैक्षिक साधन सामग्री संबंधी व्यवस्थाएं

**इकाई 2 पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र में शैक्षिक व्यवस्थाएं और उनका प्रबंधन**

1. कर्मशाला
2. कला शाला
3. रंगमंच
4. प्रदर्शनी कक्ष
5. विज्ञान प्रयोगशाला
6. वस्तु संग्रहालय
7. चिड़ियाघर (खिलौनों से)
8. शिशुओं का घर
9. शिशुवाटिका

**इकाई 3 क्रियात्मक साधनों की व्यवस्थाएं और उनका प्रबंधन**

1. रचनात्मक कार्यों के लिए स्थानीय साधन सामग्री और उसका उपयोग
2. विभिन्न प्रकार के खेलों का महत्व और उनकी साधन सामग्री
3. चित्र पुस्तकालय की व्यवस्थाएं, पुस्तकालय का संगठन
4. क्रीडांगन की व्यवस्था

**इकाई 4 पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र की प्रशासनिक व्यवस्थाएं और उनका प्रबंधन**

1. शिशुओं का संचयी अभिलेख
2. शिशुओं की स्वास्थ्य स्थिति का संधारण
3. विद्यालयीन अभिलेख—महत्व एवं उपयोगिता

अ. शैक्षिक अभिलेख
ब. वित्तीय अभिलेख
स. संपत्ति विषयक अभिलेख
द. पत्र व्यवहार संबंधी अभिलेख

## इकाई 5 <u>पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र में मानवीय संसाधनों की व्यवस्था एवं संगठन</u>

1. विद्यालय प्रमुख की भूमिका, उत्तरदायित्व, कर्तव्य, बालकों शिक्षकों, अधिकारियों एवं समुदाय से समन्वय
2. अध्यापक (दीदी) की विशेषताएं, शिक्षण कौशल
3. विद्यालय में अनुशासन, शिशुओं में आत्म अनुशासन, अनुशासन की आवश्यकता एवं महत्व

## इकाई 6 <u>शैक्षिक नियोजन</u>

1. विद्यालय की वार्षिक, साप्ताहिक व दैनिक योजना की रूपरेखा
2. समय विभाग चक्र—उद्वेश्य, रचना के सिद्वांत, प्रभावित करने वाले कारक
3. पाठ्यक्रम विभाजन, पाठ्येत्तर क्रियाकलापों का आयोजन

## इकाई 7 <u>बुनियादी कम्प्यूटर शिक्षा</u>

1. कम्प्यूटर का सामान्य परिचय
2. कम्प्यूटर से चित्र बनाना—एम.एस. पेंट
3. कम्प्यूटर से आंकड़ों का निरूपण

## इकाई 8 <u>अभिभावक एवं समुदाय को शिक्षित करना</u>

1. मीडिया—समाचार पत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन
2. अभिभावक संपर्क, अभिभावक बैठक, अभिभावकों के लिए वाचनालय

3. प्रदर्शनी का आयोजन, नुक्कड़, नाटक, पर्यटन, शैक्षणिक प्रवास

**इकाई 9 <u>प्रशासनिक एवं अकादमिक ढाँचा</u>**

मध्यप्रदेश में मंत्रालय स्तर से विकासखण्ड स्तर तक का प्रशासनिक एवं अकादमिक ढाँचा

अ. स्कूल शिक्षा विभाग

ब. महिला बाल विकास विभाग

**इकाई 10 <u>मान्यता एवं अनुदान प्राप्ति</u>**

1. पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र की मान्यता
2. पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र के संचालन के लिए अनुदान

# पंचम प्रश्न पत्र

## भौतिक एवं सामाजिक पर्यावरण

**पूर्णांक 100** | **समय–3 घंटे**

पूर्व प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण के अंतर्गत ''भौतिक एवं सामाजिक पर्यावरण'' का अध्ययन करने के पश्चात् प्रशिक्षणार्थियों में अधोलिखित क्षमताएं व दक्षताऐं विकसित हो सकेंगी।

1. पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र पर उचित वातावरण स्थापित करके शिशु बालकों में अभिव्यक्ति और क्षमताओं का विकास करने में समर्थ हो सकेंगे।
2. शिशु बालकों में भाषा विकास, सृजनात्मकता और श्रम के प्रति निष्ठा उत्पन्न करने के लिए क्रिया आधारित कक्षा का वातावरण बनाने में सक्षम हो सकेंगे।
3. पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्रों की ओर शिशु बालकों और उनके अभिभावकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित करने का कौशल अर्जित कर सकेंगे।
4. भौगोलिक परिस्थितियों की अवधारणाओं को समझकर इनके बाल जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों को स्पष्ट कर सकेंगे।
5. पदार्थ की अवस्थाओं को समझकर पदार्थों का वर्गीकरण कर सकेंगे। पदार्थों में होने वाले परिवर्तनों में भेद कर सकेंगे।
6. ऊर्जा के विभिन्न रूपों को पहचान कर इनकी विशेषताओं और उपयोग का वर्णन कर सकेंगे।
7. वनस्पति में जीवन के लिए आवश्यक तत्वों की व्याख्या कर वनस्पति और मानव जीवन के आपसी संबंध को स्पष्ट कर सकेंगे।
8. जीवों के लक्षणों की व्याख्या कर सकेंगे। वनस्पति और जन्तु में भेद कर सकेंगे और मानव शरीर के विभिन्न तन्त्रों को स्पष्ट कर उनके कार्य बता सकेंगे।
9. सामाजिक वातावरण को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों की व्याख्या कर अच्छा वातावरण निर्माण के उपाय सुझा सकेंगे।
10. यातायात के नियमों की उपयोगिता को बता सकेंगे। बाल अधिकारों की स्पष्ट व्याख्या कर सकेंगे। समाज के विकास के लिए शिक्षा के महत्व को प्रतिपादित कर सकेंगे।

# पंचम प्रश्न पत्र

# भौतिक और सामाजिक पर्यावरण

## इकाईवार अंक विभाजन एवं कालखण्ड

**पूर्णांक–100** **समय–3 घंटे**

| इकाई क्रमांक | इकाई का नाम | अंक | कालखण्ड |
|---|---|---|---|
| 1 | पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र पर वातावरण निर्माण | 10 | 25 |
| 2 | क्रिया आधारित कक्षा वातावरण | 10 | 25 |
| 3 | पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र के कार्यक्रम | 10 | 20 |
| 4 | भौगोलिक परिस्थितियों का बाल जीवन पर प्रभाव | 10 | 20 |
| 5 | पदार्थों की विशेषताएं | 10 | 15 |
| 6 | ऊर्जा के प्रकार | 10 | 15 |
| 7 | वनस्पति में जीवन | 10 | 15 |
| 8 | जीवों के लक्षण | 10 | 15 |
| 9 | सामाजिक वातावरण को प्रभावित करने वाले कारक | 15 | 20 |
| 10 | यातायात, बाल अधिकारी और शिक्षा का योगदान | 05 | 10 |
| | **कुल** | **100** | **180** |

## पंचम प्रश्न पत्र

## भौतिक और सामाजिक पर्यावरण

### इकाई 1 पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र पर वातावरण निर्माण

1. अनुभव आधारित
2. मौखिक व चित्रात्मक अभिव्यक्ति विकास पर आधारित
3. बौद्विक क्षमताओं पर आधारित
4. शारीरिक क्षमताओं पर आधारित
5. ज्ञानेन्द्रियों के प्रशिक्षण पर आधारित

### इकाई 2 क्रिया आधारित कक्षा वातावरण

1. भाषा विकास में सहायक
2. सृजनात्मकता पोषण के लिए सुविधाजनक
3. साजसज्जा की अनुभूति उत्पन्न करने योग्य
4. श्रम के प्रति निष्ठा उत्पन्न करने में सहायक

### इकाई 3 पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र के कार्यक्रम

1. वंदना सभा
2. भोजन कैसे करना
3. प्रथम दिनोत्सव
4. जन्मदिनोत्सव
5. उत्सव पर्व मनाना
6. शिशु सभा का आयोजन
7. संगीत सभा
8. वार्षिकोत्सव
9. खेलकूद समारोह
10. भ्रमण

11. मेलों का आयोजन

12. शिशु शिविर

## इकाई 4 भौगोलिक परिस्थितियों का बाल जीवन पर प्रभाव

1. दिन, रात होना
2. ग्रहण
3. ऋतुएं, मौसम, जलवायु
4. पर्वत, नदी, मैदान
5. प्राकृतिक क्रियाएँ—बाढ़, भूकम्प, सुनामी, ज्वालामुखी

## इकाई 5 पदार्थों की विशेषताएं

1. पदार्थ की अवस्था, ठोस, द्रव, गैस
2. भौतिक और रासायनिक परिवर्तन

## इकाई 6 ऊर्जा के प्रकार

1. उष्मीय उर्जा और इसका जीवन में उपयोग
2. प्रकाश उर्जा—प्राप्ति के साधन तथा प्रभाव
3. विद्युत उर्जा—तापीय, प्रकाशीय और चुबंकीय प्रभाव
4. ध्वनि उर्जा—संगीत और शोर में भेद, प्रतिध्वनि
5. चुम्बकत्व—चुम्बकीय और अचुम्बकीय पदार्थ, चुम्बकीय आकर्षण और विकर्षण

## इकाई 7 वनस्पति में जीवन

1. पौधों के अंग व कार्य
2. वनस्पति में जीवन के लिए आवश्यक तत्व
3. वनस्पति का मनुष्य जीवन में उपयोग

## इकाई 8 जीवों के लक्षण

1. सजीव व निर्जीव में अंतर
2. वनस्पति और जन्तु में भेद
3. मानव शरीर के तन्त्र (संक्षिप्त जानकारी)

**इकाई 9 <u>सामाजिक वातावरण को प्रभावित करने वाले कारक</u>**

1. मीडिया–प्रिन्ट व इलेक्ट्रानिक
2. जनसंख्या
3. सामाजिक विभेद
4. धार्मिक कट्टरता
5. आर्थिक असमानता

**इकाई 10 <u>यातायात, बाल अधिकारों और शिक्षा का योगदान</u>**

1. यातायात के साधनों का मानव जीवन में उपयोग
2. सुरक्षित यात्रा के लिए यातायात नियम
3. बाल अधिकारी
4. समाज के विकास में शिक्षा का योगदान

## छटा प्रश्न पत्र

## भाषा एवं गणित

उद्वेश्य–

1. प्रशिक्षणार्थी भाषायी कौशलों को विकसित कर सकेंगे।
2. व्याकरण सम्मत शुद्ध एवं प्रभावोत्पादक ढंग से विचार अभिव्यक्त करने की क्षमता उत्पन्न कर सकेंगे।
3. शब्द भंडार में वृद्धि कर संकल्पनायें विकसित कर सकेंगे।
4. वाचन तथा लेखन की शुद्धता का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
5. अंग्रेजी व्याकरण के नियमों का ध्वनि विज्ञान के आधार पर वर्णों का ज्ञान दे सकेंगे।
6. अंग्रेजी भाषा के शिक्षण से परिचित हो सकेंगे।
7. व्याकरण के नियमों से परिचित हो सकेंगे।
8. संख्यात्मक गणना का ज्ञान होगा।
9. ज्यामितीय (रेखा चित्रों) से अवगत होंगे।
10. विभिन्न मनोरंजक माध्यमों से गणित का शिक्षण करना सीखेंगे।

# भाषा एवं गणित

| इकाई क्र. | इकाई का नाम | अंक | कालखण्ड |
|---|---|---|---|
| 1 | अ. भाषा का अर्थ, महत्व एवं उद्धेश्य<br>ब. भाषा के उपयोग | 10 | 20 |
| 2 | अ. भाषा के बुनियादी तत्व<br>ब. राष्ट्रभाषा का महत्व एवं विशेषताएं | 14 | 25 |
| 3 | अ. वार्तालाप के विषय–महत्व एवं उद्धेश्य<br>ब. कहानी व बालगीतों का महत्व, उद्धेश्य एवं प्रकार | 08 | 15 |
| 4 | अ. वाचन तथा लेखन की पूर्व तैयारी के लिए विशेष क्रियाएँ<br>ब. भाषा शिक्षण की विधियाँ | 08 | 10 |
| 5 | A. Methodology<br>B. Sounds in English | 10<br>5 | 20<br>15 |
| 6 | Writing : | 5 | 10 |
| 7 | Grammer : | 10 | 15 |
| 8 | संख्याओं का ज्ञान | 10 | 15 |
| 9 | गणित–जोड़, घटाना, गुणा, भाग की संक्रिया से परिचित कराना | 10 | 15 |
| 10 | अ. गणित के साधन सामग्रियों की जानकारी एवं महत्व<br>ब. रेखागणित–रेखा, वृत्त, वर्ग, आयत, आकृति आदि | 10 | 20 |

# भाषा (सैद्धांतिक)

**इकाई 1**

भाषा का अर्थ, एवं उद्वेश्य।

**इकाई 2**

भाषा के चार कौशल – सुनना, बोलना, पढ़ना व लिखना।

भाषा के उपयोग – अ. भाव प्रकाशन का साधन।
ब. विचारों के आदान प्रदान का माध्यम।
स. संस्कृति की पोषिका एवं प्रसारिका।

**इकाई 3**

अ. भाषा के बुनियादी तत्व, ध्वनियाँ, व्याकरण एवं शब्द भण्डार।

ब. ध्वनियों का वर्गीकरण, स्वर एवं व्यंजन उच्चारण एवं शिक्षण विधियाँ, विराम चिन्हों का महत्व एवं उपयोग।

स. शब्द भण्डार विकसित करने की विधियाँ।

द. वार्तालाप का महत्व, उद्वेश्य एवं विशेषताएँ

इ. कहानी एवं बालगीतों का महत्व, उद्वेश्य एवं विशेषताएँ

**इकाई 4**

वाचन एवं लेखन की पूर्व तैयारी के लिये विशेष क्रियाएँ।

**इकाई 5**

**A. Methodology**

How to teach alphabet?

How to teach words?

How to teach sentences/paragraph/story?

How to teach a rhyme?

How to tell story/

How to teach conversation?

How to teach language games

**B. Sounds in English**

Phonetic symbols

English vowel sound

English consonant sound

Phonic drill

Nursery rhyme

Simple conversation

इकाई 6

**Writing**

Strokes

Alphabet writing

Cursive writing

Words/sentences/paragraph

Story writing

इकाई 7

**Grammer**

Parts of speech, tenses, translation, type of sentences (day to day grammer)

इकाई 8

संख्याओं का ज्ञान।

**इकाई 9**

अ. गणित के साधन सामग्रियों की जानकारी एवं महत्व।

ब. रेखागणित–रेखा, वृत्त, वर्ग, आयत, आकृति आदि।

**इकाई 10**

गणित–जोड़ना, घटाना, गुणा भाग की संक्रियाएं।

## संदर्भ ग्रंथ :–


1. हिन्दी भाषा का शिक्षण–भाई योगेन्द्रजीत।
2. हिन्दी शिक्षण–रमन बिहारी (रस्तोगी पब्लिकेशन)
3. हिन्दी शिक्षण–डॉ. राम शुक्ल पांडेय।
4.
5.
6.

## विषयान्तर्गत प्रायोगिक कार्यों की सूची

| भाषा | गणित | संज्ञानात्मक |
|---|---|---|
| **मौखिक भाषा**<br>1. शुद्व तथा स्पष्ट उच्चारण अक्षरों, शब्दों तथा वाक्यों का<br>2. शुद्व भाषा बोलना तथा सुनना (पॉकेट बोर्ड का उपयोग)<br>(अ) शब्द भंण्डार वृद्वि–वातावरण की वस्तुओं के नामों का परिचय जैसे–<br>(1) कक्षा के भीतर की वस्तुएं (साधन सामग्री)<br>(2) पेड़–पौधे, पशु–पक्षी दैनिक जीवन के उपयोग में आने वाली वस्तुएँ<br>(ब) वार्तालाप–वार्तालाप द्वारा विचार व्यक्त करने का अवसर देना–<br>जैसे वातावरण की वस्तुओं से संबंधित, कहानियाँ सुनाना, कविता–पाठ, बाल गीत, अभिनय द्वारा भाषा–प्रयोग त्यौहार, दैनिक जीवन की घटनाओं व अनुभवों का वर्णन एवं बातचीत। मौखिक शब्दों के खेल।<br>**भाषा ज्ञान**<br>1. लेखन की अप्रत्यक्ष तैयारी लोह भौमितिक आकृतियों से क्रिया।<br>2. लेखन की प्रत्यक्ष तैयारी– | 1. अंक सीढ़ी द्वारा अंक ज्ञान<br>2. रेती अंक द्वारा अंक ज्ञान (अंगुली फेरना)<br>3. अंक सीढ़ी और अंक कार्ड का समन्वय (राशी द्वारा)<br>4. शलाका पेटी, शून्य का पाठ<br>5. सम–विषय का परिचय<br>6. स्थायी दशमान, गतिमान पद्धति–मोती, मोतियों की माला, वर्ग, धन तथा अंक कार्डो द्वारा जोड़–घटाना, सेंगाफलक, अंकपाटी<br>7. जोड़ का फलक, साँप का खेल, बिंदियों का खेल<br>8. घटाना–घटाने के फलक घटाने के तख्ते।<br>9. अंक पूर्व अवधारणा–आकार का क्रम, आकृतियाँ, क्रम से जमाना, घटाने का क्रम (आकार को)<br>(1) पहले बाद में, ऊपर–नीचे, दाँयें–बाँये, अंदर–बाहर, कम–ज्यादा, छोटा–बड़ा, चौड़ा–सकरा, दूर–पास | 1. दर्शनेन्द्रिय<br>(अ) आकार का विस्तार तथा रूप दंड गोल, गुलाबी मीनार, चौड़ी सीढ़ी, लंबी सीढ़ी<br>(ब) रंग परिचय तथा रंगों की भिन्नता का परिचय, रंग पेटिट्याँ (प्राथमिक रंग व मिश्रित रंग)<br>2. स्पर्शेन्द्रिय–<br>(अ) स्पर्शफलक<br>(ब) स्पर्श पटिट्याँ<br>(स) स्पर्शी कपड़े<br>(द) वस्तु थैली<br>3. श्रवणेन्द्रिय–<br>(अ) ध्वनि की डिब्बियाँ<br>(ब) ध्वनि विभेदीकरण<br>4. घ्राणेन्द्रिय–<br>(अ) मसालों की सुगंध<br>(ब) तेलों की सुगंध |

| | | |
|---|---|---|
| रेती अक्षर के साथ क्रिया स्वर तथा व्यंजनों की पहचान एवं बनावट का ज्ञान।<br>चल वर्णमाला से ध्वनि पृथक्करण क्रिया का प्रारंभ मात्रा परिचय, संज्ञा, लिंग, वचन क्रिया के सामूहिक पाठ,<br>**A अवयय–**<br>1. क्रिया विशेषण<br>2. सर्वनाम<br>3. विशेषण<br>**B संबंध वाचक–** संयुक्त अक्षरों का विशिष्ट प्रयोग,<u>कहानी कथन</u> (अभिव्यक्ति चार्ट, समुच्चय बोधक, विस्मयादीबोधक, कठपुतली, मुखौटे, फिंगर पपेट्स आदि के द्वारा)<br>**<u>संगीत</u>**<br>बड़बड़ गीत, अभिनय गीत, बाल प्रार्थना गीत, लोरी गीत, पथ गीत। संकल्पनाओं के गीत ऋतुओं एवं त्यौहारों से संबंधित गीत। | (2) सह संबंध<br>(3) इकाइयों की पहचान, लीटर, मीटर किलोग्राम (मानक इकाइयाँ)<br>अमानक इकाइयाँ–<br>लोटा, गिलास, रस्सी<br>(4) मुद्रा परिचय | (स) धूप, गंधक, गूगल, कपूर आदि की सुगंध<br>5. रसनेन्द्रिय<br>मीठा, नमकीन, खटट्ा, खारा, तीखा आदि स्वादों के पदार्थ।<br>वजन पट्टियाँ<br>6. समय, दिशा, स्थान और वर्गीकरण<br>7. कम्प्यूटर संबंधी एसाईनमेंट तैयार करना। |

| दैनिक जीवन की व्यावहारिक क्रिया | पर्यावरण विज्ञान | हस्तकला (सृजनात्मक) |
|---|---|---|
| 1. संतुलन–सीधी रेखा पर चलना, आड़ी रेखा पर चलना, वजन लेकर चलना, मेज कुर्सी के बीस से उन्हें बिना हिलाये चलना<br>2. आसन बिछाना व लपेटना, एक बर्तन से दूसरे बर्तन में अनाज डालना।<br>3. पानी डालना–<br>बिना गिराये एक बर्तन से दूसरे बर्तन में डालना<br>4. हाथ धोना<br>5. घर की सफाई, प्लेट धोना, रूमाल धोना।<br>6. मेज तथा कुर्सी (छोटे) उठाकर ले जाना। पोछना<br>7. कपड़ों की तह लगाना।<br>8. बक्कल, बटन, लेस खोलना व बाँधना। चेन लगाना खोलना<br>9. जूते की सफाई<br>10. फूल दानी सजाना।<br>11. तरकारी काटना, छीलना, कूटना–पीसना, कचूमर बनाना।<br>12. शांति का पाठ–<br>13. अतिथि सत्कार। | 1. हवा के खेल, पानी के खेल का, प्रारंभिक ज्ञान, रंगीन–रंगहीन, आकार हीन, स्वादहीन, मौसम का ज्ञान, डूबना तैरना, सोखना आदि।<br>2. हमारे सहयोगी<br>3. पदार्थ विज्ञान, हल्का–भारी, लचीलापन, पारदर्शक तथा अपारदर्शक, रवेदार तथा कठोर, चुम्बकत्व, ठोस द्रव तथा वाष्प (गैस) घुनलशील एवं अघुलनशील।<br>4. पौधे के अंग, वृक्ष, झाड़ी, बेल, पौधे का वर्गीकरण<br>5. एकदलीय एवं द्विदलीय अनाज, अंकुरण<br>(अ) जलचर, थलचर, नभचर<br>(ब) पालतू एवं जंगली जानवर<br>6. परिवेशीय संचार साधनों का परिचय | 1. कागज के कार्य–फाड़ना, काटना चिपकाना, पताका बनाना।<br>2. फोल्डिंग वर्क–मोड़कर आकृतियाँ बनाना।<br>3. स्प्रे का काम, छापे का काम<br>4. धागा काम, मोम का काम, रंग काम<br>5. माटी का काम–फल सब्जियाँ आदि बनाना।<br>6. चित्रकला–श्याम पट, ड्राइंग पेपर, स्लेट पर, रंगीन चॉक, क्रेयान्स से इच्छानुसार चित्र बनाना व रंग भरना।<br>7. निरर्थक सामग्री से सार्थक सामग्री निर्माण। कोलाज वर्क सुशोभन<br>8. कार्ड पर सिलाई करना। |